RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जून
20
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

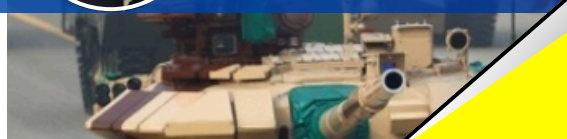

By Ankit Avasthi Sir

2026 'अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष' के रूप में / 2026 as 'International Year of Women Farmers'

संदर्भ:

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष **2026** को **'अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष' (International Year of the Woman Farmer)** के रूप में घोषित किया है। इस प्रस्ताव का उद्देश्य वैश्विक कृषि में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मान देना और उनके सामने आने वाली चुनौतियों—जैसे संपत्ति के अधिकार, बाजार तक पहुंच और संसाधनों की उपलब्धता—के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह वर्ष महिला किसानों के सशक्तिकरण और उन्हें नीति निर्धारण में उचित स्थान दिलाने की दिशा में एक अहम पहल माना जा रहा है।

कृषि क्षेत्र में महिलाएं: प्रमुख तथ्य और आंकड़े

- **वैश्विक परिप्रेक्ष्य:** विकासशील देशों में **60–80%** खाद्य उत्पादन में महिलाएं योगदान देती हैं।
- **दक्षिण एशिया:** कृषि श्रम बल का लगभग **39%** हिस्सा महिलाएं हैं।
- **भारत:**
  - भारत में लगभग 80% आर्थिक रूप से सक्रिय महिलाएं कृषि क्षेत्र में कार्यरत हैं।
  - आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) 2023-24 के अनुसार, भारत की कृषि कार्यबल का 64.4% हिस्सा महिलाएं हैं।

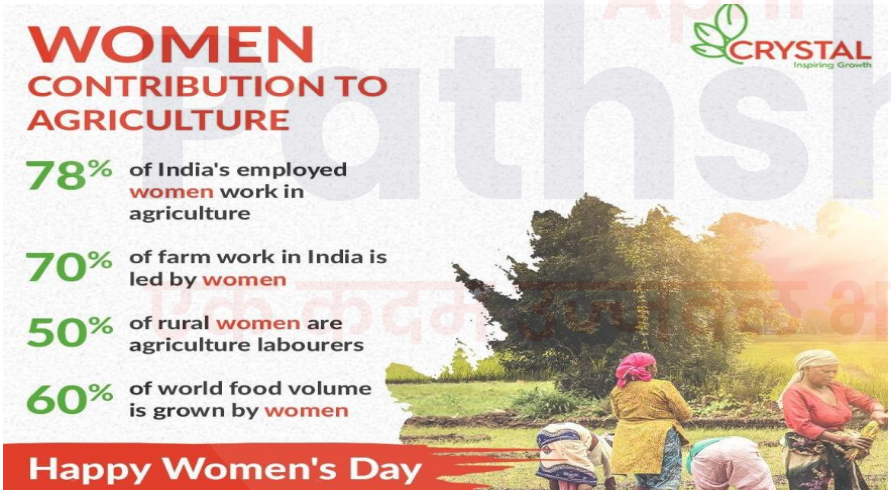

कृषि क्षेत्र में महिलाओं को होने वाली प्रमुख चुनौतियाँ:

- **भूमि स्वामित्व में लैंगिक असमानता:** भारत में केवल 14% भूमि स्वामी महिलाएं हैं, जबकि कृषि कार्यबल में उनका योगदान 80% तक है।
- **वित्तीय संसाधनों तक सीमित पहुँच:** महिलाओं को ऋण, वित्तीय संस्थाओं, और कृषि तकनीक तक सीमित पहुँच प्राप्त होती है, जिससे निवेश व नवाचार प्रभावित होते हैं।
- **जलवायु परिवर्तन से बढ़ती असुरक्षाएं:** जलवायु परिवर्तन महिलाओं की घरेलू जिम्मेदारियों और कृषि जोखिमों को और अधिक बढ़ा देता है।

सरकारी व संगठनों द्वारा समर्थन-

- **महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना** और **कृषि यंत्रीकरण उप-मिशन:** महिलाओं को कृषि उपकरणों के लिए प्रशिक्षण व सब्सिडी प्रदान करते हैं।
- **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM):** कुल बजट का 30% हिस्सा महिला किसानों के लिए आरक्षित है।
- **ENACT परियोजना, असम:** जलवायु जानकारी प्रदान कर महिलाओं को निर्णय लेने में सक्षम बनाती है और लचीलापन बढ़ाने में मदद करती है।

नवोन्मेषी परियोजनाएं व पहलें-

- **ENACT परियोजना (नागांव जिला):** 300+ महिला किसानों को साप्ताहिक कृषि और जलवायु परामर्श तकनीक के माध्यम से दिया जाता है।
- **जलवायु अनुकूलन सूचना केंद्र:** वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और बैठकें आयोजित कर कृषि व आजीविका से जुड़ी जानकारी पहुँचाई जाती है।
- **बाढ़-प्रतिरोधी धान किस्मों का प्रचार**, **आजीविका विविधीकरण**, और **बाजार से जोड़ना** जैसे प्रयास फसल क्षति को कम करने में सहायक हैं।

नीतिगत सुझाव:

- **लैंगिक दृष्टिकोण से युक्त नीतियाँ तैयार करें:** महिला किसानों की ज़रूरतों को समझने हेतु सूक्ष्म स्तर के आंकड़ों का उपयोग हो।
- **वित्त व जानकारी तक पहुंच बढ़ाएं:** महिला स्वयं सहायता समूहों और सामूहिक प्रयासों को समर्थन दें।
- **2026 को 'अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष' के रूप में मनाना:** यह महिला किसानों के सशक्तिकरण और लचीली कृषि विकास को बढ़ावा देने का एक ऐतिहासिक अवसर है।

ईरान-इज़रायल युद्ध के बीच तेल की कीमतें बढ़ रही / oil prices rising amid Iran-Israel war

संदर्भ:

हाल ही में **ईरान और इज़राइल के बीच बढ़ते तनाव** के कारण **कच्चे तेल की कीमतों में तेज़ी** देखी गई है। इसका मुख्य कारण यह चिंता है कि दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक, होरमुज़ जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz), बंद हो सकता है।

Strait of Hormuz: Global Oil Trade के लिए क्यों है महत्वपूर्ण?

प्रमुख तेल परिवहन मार्ग:

- Strait of Hormuz दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री chokepoints में से एक है।
- वर्ष 2024 में इस मार्ग से प्रतिदिन लगभग **2 करोड़ बैरल (20 mb/d)** कच्चा तेल गुज़रा – जो वैश्विक खपत का लगभग **20%** है।

मुख्य तेल उत्पादक देश: यह जलडमरूमध्य **सऊदी अरब, ईरान, UAE, कुवैत, इराक** और **कतर** जैसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों के निर्यात का मुख्य मार्ग है।

वैश्विक आपूर्ति पर प्रभाव: International Energy Agency (IEA) के अनुसार, दुनिया की कुल तेल आपूर्ति का लगभग **25% हिस्सा** खाड़ी क्षेत्र से होकर इसी जलडमरूमध्य से बाहर निकलता है।

ईरान की ऊर्जा क्षमता:

- US Energy Information Administration (EIA) के मुताबिक, 2023 तक **ईरान के पास विश्व का 12% तेल भंडार** था – वेनेज़ुएला और सऊदी अरब के बाद तीसरे स्थान पर।
- इसके अलावा, प्राकृतिक गैस के भंडार में ईरान रूस के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश है।

भू-राजनीतिक संवेदनशीलता: इस मार्ग पर किसी भी प्रकार का सैन्य या राजनीतिक तनाव वैश्विक तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल ला सकता है।

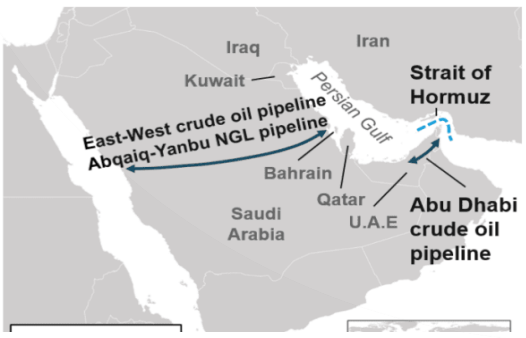

भारत की निर्भरता कच्चे तेल पर:

- भारत अपनी ज़रूरत का **लगभग 85% कच्चा तेल आयात** करता है।
- भले ही ईरान से प्रत्यक्ष आयात कम हो, लेकिन यदि वैश्विक बाज़ार में तेल महंगा होता है, तो भारत को **तेल खरीदने में अधिक डॉलर खर्च** करने पड़ते हैं।

भारत पर सीधा असर:

- FY25 में भारत ने कच्चे तेल के आयात पर $137 बिलियन खर्च किए, जो कुल आयात बिल का लगभग 15% है।
- अगर तेल महंगा हुआ, तो ईंधन से लेकर ट्रांसपोर्ट और खाद्य सामग्री तक सब कुछ महंगा हो जाएगा।
- यह एक तरह का "अदृश्य टैक्स" है, जो आम जनता और व्यापार—दोनों की जेब पर असर डालता है।

इज़राइल-ईरान संघर्ष: भारत की वृद्धि और महंगाई पर प्रभाव:

कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि:

- इज़राइल-ईरान तनाव के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आती है।
- भारत अपनी जरूरत का **80% से अधिक कच्चा तेल आयात** करता है, जिससे देश का **आयात बिल बढ़ जाता है**।

महंगाई और लागत पर दबाव:

- तेल की ऊंची कीमतें परिवहन और उत्पादन लागत को बढ़ाती हैं।
- इसका सीधा असर **खाद्य और उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों** पर पड़ता है, जिससे **मुद्रास्फीति (Inflation)** में इज़ाफा होता है।

आर्थिक वृद्धि पर खतरा:

- लंबे समय तक चला भू-राजनीतिक संकट **निजी निवेशों को धीमा** कर सकता है।
- इससे **औद्योगिक उत्पादन घटता** है और **GDP वृद्धि दर** पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

निष्कर्ष:

इज़राइल-ईरान टकराव से उत्पन्न **तेल मूल्य अस्थिरता** भारत की अर्थव्यवस्था के लिए **दोहरा झटका** बन सकती है – एक ओर महंगाई को बढ़ाकर और दूसरी ओर आर्थिक विकास को धीमा कर के।

भारत-कनाडा संबंध / India–Canada relations

संदर्भ:

लगभग दो वर्षों के तनावपूर्ण संबंधों के बाद, भारत और कनाडा ने मंगलवार को **आपसी रिश्तों को फिर से पटरी पर लाने का संकेत** दिया। दोनों देशों ने एक-दूसरे की राजधानियों में **उच्चायोग (High Commissions) की पुन: स्थापना** पर सहमति जताई है।

- यह कदम कनाडा द्वारा एक सिख अलगाववादी की हत्या में भारत की कथित संलिप्तता के आरोपों के बाद बिगड़े संबंधों को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

भारत-कनाडा संबंध और खालिस्तानी मुद्दा: एक समग्र विश्लेषण

मुद्दे की पृष्ठभूमि:

- **खालिस्तानी गतिविधियाँ:** कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी अलगाववादी गतिविधियाँ भारत-कनाडा संबंधों में तनाव का कारण बनी हैं।
- **भारत की आपत्ति:** भारत ने कनाडा सरकार से कई बार इस पर कठोर कार्रवाई की मांग की है, लेकिन कार्रवाई की कमी पर नाराज़गी जताई है।
- **2023 का राजनयिक विवाद:**
  - कनाडा के प्रधानमंत्री ने **खालिस्तान समर्थक एक नागरिक की हत्या** में भारत की संलिप्तता का आरोप लगाया।
  - भारत ने इन आरोपों को **सिरे से खारिज** करते हुए कई **कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित** कर दिया।
  - इसके चलते **व्यापार और आर्थिक समझौतों** पर वार्ता रोक दी गई।

भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंध:

ऐतिहासिक संबंध:

- 1947 में दोनों देशों ने राजनयिक संबंध स्थापित किए।
- लोकतांत्रिक मूल्यों और कॉमनवेल्थ सदस्यता ने संबंधों को मजबूती दी।
- 1974 और 1998 के भारत के परमाणु परीक्षणों के बाद संबंधों में तनाव आया, कनाडा की Non-Proliferation नीति के कारण।

आर्थिक सहयोग:

- **जनवरी–अगस्त 2024** में द्विपक्षीय वस्तु व्यापार: **USD 8.55 बिलियन**
  - भारत का निर्यात: **USD 5.22 बिलियन**
  - भारत का आयात: **USD 3.33 बिलियन**
- **CEPA (Comprehensive Economic Partnership Agreement)** और **FIPA (Foreign Investment Promotion and Protection Agreement)** पर बातचीत जारी।

परमाणु सहयोग:

- **2010 में परमाणु सहयोग समझौता (NCA)** हुआ, जो **2013 से लागू** है।
- दोनों देशों के बीच **शांतिपूर्ण उपयोग के लिए परमाणु ऊर्जा** में सहयोग।
- एक **संयुक्त समिति** समझौते के कार्यान्वयन की निगरानी करती है।

अंतरिक्ष सहयोग:

- **1996 और 2003** में ISRO और Canadian Space Agency (CSA) के बीच समझौते।
- उपग्रह ट्रैकिंग, अंतरिक्ष खगोल विज्ञान, और वाणिज्यिक उपग्रह प्रक्षेपण में सहयोग।
- ISRO की वाणिज्यिक शाखा ANTRIX द्वारा कनाडा के कई नैनो सैटेलाइट्स लॉन्च किए गए।

विज्ञान एवं तकनीकी सहयोग:

- Cold Climate Studies हेतु Department of Earth Science (भारत) और Polar Canada के बीच कार्यक्रम।
- 2020 में NCPOR और POLAR Canada के बीच सहयोग समझौता।

जन-जन संपर्क:

- कनाडा में लगभग 18 लाख इंडो-कनाडाई और 10 लाख एनआरआई, जो जनसंख्या का 3% हैं।
- भारत कनाडा में सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय छात्रों का स्रोत है – 40% छात्र भारतीय।
- सशक्त सांस्कृतिक आदान-प्रदान और प्रवासी समुदाय द्विपक्षीय संबंधों को आकार देते हैं।

बहुपक्षीय मंचों में सहयोग: G20, कॉमनवेल्थ, संयुक्त राष्ट्र, और International Solar Alliance में सक्रिय सहभागिता।

निष्कर्ष:

भारत-कनाडा के संबंध ऐतिहासिक, आर्थिक और सामाजिक स्तर पर मजबूत रहे हैं, लेकिन हालिया खालिस्तानी मुद्दे और राजनीतिक आरोपों ने आपसी विश्वास को नुकसान पहुँचाया है। इस स्थिति से उबरने के लिए राजनयिक संवाद और आतंकवाद पर स्पष्ट नीति आवश्यक है।

वैश्विक सूखा परिदृश्य 2025 / Global Drought Outlook 2025

संदर्भ:

हाल ही में **आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)** द्वारा **ग्लोबल ड्रॉट आउटलुक 2025** जारी किया गया, जिसमें विश्वभर में सूखे की बढ़ती गंभीरता को लेकर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अब दुनिया के लगभग **40% भूमि क्षेत्र** को अधिक बार और अधिक गंभीर सूखे का सामना करना पड़ रहा है।

- यह चेतावनी जलवायु परिवर्तन, संसाधनों की कमी और कृषि सुरक्षा के लिए एक गंभीर संकेत मानी जा रही है।

वैश्विक सूखा संकट: प्रमुख निष्कर्ष

सूखा-प्रभावित भूमि में तेज़ वृद्धि:

- 1900 से 2020 के बीच सूखा प्रभावित वैश्विक भूमि क्षेत्र दोगुना हो गया।
- वर्तमान में पृथ्वी का लगभग **40% हिस्सा** अधिक बार और तीव्रता से सूखे का सामना कर रहा है।

मिट्टी और भूजल पर असर:

- 1980 से अब तक, वैश्विक स्तर पर 37% भूमि पर मिट्टी की नमी में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई।
- 62% निगरित एक्विफ़र्स (जलभृत) में भूजल स्तर में गिरावट देखी गई है।

जलवायु परिवर्तन की भूमिका:

- 2022 के यूरोपीय सूखे की संभावना जलवायु परिवर्तन के कारण 20 गुना तक अधिक हुई।
- उत्तरी अमेरिका में जारी सूखा भी जलवायु परिवर्तन के चलते 42% अधिक संभावित हो गया है।

सूखा (Drought) और उसके प्रकार

परिभाषा: सूखा एक जल-संतुलन का असंतुलन (Hydrological Imbalance) है, जिसमें लंबे समय तक सामान्य से कम वर्षा होने के कारण मिट्टी की नमी, सतही जल और भूजल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

सूखे के प्रकार:

1. **मौसमीय सूखा (Meteorological Drought):**
   - जब किसी क्षेत्र में लंबे समय तक **सामान्य से बहुत कम वर्षा** होती है।
   - इससे वातावरण में अत्यधिक सूखापन और जल संकट उत्पन्न होता है।
2. **कृषि सूखा (Agricultural Drought):**
   - जब **मिट्टी की नमी फसलों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त** हो जाती है।
   - इससे **फसल उत्पादन में गिरावट** आती है और **खेती प्रभावित** होती है।
3. **जलविज्ञान संबंधी सूखा (Hydrological Drought):**
   - जब नदियाँ, झीलें और भूजल स्तर सामान्य से नीचे गिर जाते हैं।
   - यह मानव उपयोग और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए जल की उपलब्धता को प्रभावित करता है।

वैश्विक स्तर पर सूखा: प्रमुख रुझान

प्रभावित भूमि:

- 1900 के बाद से वैश्विक सूखा-प्रभावित भूमि दोगुनी हो चुकी है।
- इसका मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन और भूमि उपयोग में बदलाव है।

वर्तमान स्थिति (2023):

- दुनिया की लगभग **48% भूमि** को कम-से-कम एक महीने के लिए **अत्यधिक सूखे** का सामना करना पड़ा।
- इससे **पारिस्थितिकी तंत्र और समुदायों** पर गंभीर दबाव पड़ा।

क्षेत्रीय हॉटस्पॉट: पश्चिमी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में लंबे और तीव्र सूखे अब आम होते जा रहे हैं।

जल संसाधनों पर प्रभाव:

- 62% निगरित जलभृत (aquifers) में भूजल स्तर घट रहा है।
- कई प्रमुख नदियों में जलप्रवाह में कमी देखी जा रही है, जिससे जल सुरक्षा खतरे में है।

भविष्यवाणियाँ:

- यदि वैश्विक तापमान **+4°C** तक बढ़ता है, तो 2100 तक सूखे की आवृत्ति और तीव्रता 7 गुना तक बढ़ सकती है।
- यह वैश्विक स्तर पर प्रणालीगत खतरा बन सकता है।

सूखे के प्रभाव:

1. पर्यावरणीय प्रभाव
2. आर्थिक प्रभाव
3. वैश्विक आर्थिक लागत में वृद्धि
4. सामाजिक प्रभाव
5. घटनाएं कम, लेकिन मृत्यु दर अधिक

संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन 2025 / United Nations Ocean Conference 2025

संदर्भ:

फ्रांस के नीस शहर में आयोजित **तीसरे संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन (UNOC)** का समापन **समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा** और महासागरों के सतत उपयोग को सुनिश्चित करने हेतु कई महत्वपूर्ण **वैश्विक संकल्पों** के साथ हुआ। सम्मेलन में देशों ने समुद्री जीवन, जलवायु और समुद्री संसाधनों के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

2025 संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन (UNOC): मुख्य बिंदु

- **आयोजन**: तीसरा संस्करण, 2025 में आयोजित
- **मेजबान देश**: फ्रांस और कोस्टा रिका (संयुक्त रूप से)
- **स्थान**: फ्रांस के नाइस शहर में
- **थीम**: *"Accelerating action and mobilizing all actors to conserve and sustainably use the ocean"*
- **लक्ष्य**: समुद्रों की रक्षा हेतु वैश्विक कार्यों में तेजी लाना, विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय समुद्री जल क्षेत्रों में
- **मुख्य उद्देश्य:** संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 14 (SDG 14 – *Life Below Water*) को लागू करने में सहयोग देना और **Nice Ocean Action Plan** को आकार देना।

तीन प्राथमिकताएँ:

1. **बहुपक्षीय प्रक्रियाओं की पूर्ति**: समुद्र से संबंधित अंतरराष्ट्रीय समझौतों को पूरा करने की दिशा में ठोस प्रगति
2. **वित्तीय संसाधनों का जुटाव:** SDG14 के लिए फंडिंग जुटाना, टिकाऊ "ब्लू इकॉनॉमी" को विकसित करने में सहयोग देना
3. **समुद्री विज्ञान का ज्ञान प्रसार**: विज्ञान-आधारित नीति निर्माण को बढ़ावा देने हेतु ज्ञान साझा करना और वैज्ञानिक अनुसंधानों को नीति निर्माताओं तक पहुंचाना

UNOC (संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन) -

- **उद्देश्य:** UNOC के तीसरे संस्करण का मकसद था **महासागरों की रक्षा के लिए कार्रवाई को तेज करना**, खासकर उन क्षेत्रों में जो किसी देश की सीमा में नहीं आते (अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र)।
- **मुख्य लक्ष्य:**
  - अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्रों में संरक्षित समुद्री क्षेत्र (Marine Protected Areas - MPAs) बनाना
  - अत्यधिक मछली पकड़ने और गहरे समुद्र में खनन को रोकना
  - Convention on Biological Diversity के तहत वर्ष 2030 तक 30% समुद्री और तटीय क्षेत्रों को संरक्षित करना।
- **प्रमुख फोकस:** महासागर के वे हिस्से जो किसी भी देश के अधिकार क्षेत्र में नहीं आते – यानी **वैश्विक संपत्ति (Global Commons)** माने जाते हैं।

मुख्य संधि:

- BBNJ (Biodiversity Beyond National Jurisdiction) संधि, जिसे High Seas Treaty भी कहते हैं।
- यह संधि तभी प्रभावी होगी जब 60 देश इसे औपचारिक रूप से अनुमोदित (ratify) कर देंगे।
- अभी तक 56 देशों ने अनुमोदन किया है (भारत प्रक्रिया में है, अमेरिका ने अब तक अनुमोदन नहीं किया)।
- **यह संधि लागू होने के बाद:**
  - राष्ट्रीय सीमा से बाहर संरक्षित समुद्री क्षेत्र बनाएगी
  - पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन अनिवार्य करेगी
  - समुद्री जैविक संसाधनों (marine genetic resources) को नियंत्रित करेगी
  - विकासशील देशों की मदद और प्रशिक्षण को बढ़ावा देगी

भविष्य की योजना:

- संयुक्त राष्ट्र को उम्मीद है कि सितंबर 2025 तक 70 अनुमोदन पूरे हो जाएंगे
- और 2026 के अंत तक पहला BBNJ कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज़ (COP) आयोजित किया जाएगा

BBNJ संधि से जुड़ी प्रमुख चुनौतियाँ-

लाभों के बंटवारे पर मतभेद:

- अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में दुर्लभ समुद्री जीव पाए जाते हैं, जिनसे भविष्य में औषधीय या अन्य व्यावसायिक लाभ हो सकते हैं।
- परंतु यह तय नहीं है कि उनसे होने वाला लाभ कैसे और किन देशों में बाँटा जाएगा, क्योंकि यह क्षेत्र किसी के अधिकार में नहीं है।

उत्खनन (extraction) पर प्रतिबंध नहीं:

- कई पर्यावरण संगठनों का कहना है कि अगर समुद्री संसाधनों के दोहन पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया, तो महासागरों की रक्षा अधूरी रह जाएगी।
- यानी संरक्षण और व्यापारिक हितों के बीच टकराव बना हुआ है।

भारत-क्रोएशिया संबंध / India-Croatia relations

संदर्भ:

भारत और क्रोएशिया ने प्रधानमंत्री स्तर की वार्ता के बाद आपसी रक्षा सहयोग को मजबूत करने का निर्णय लिया है। दोनों देशों के बीच इस समझौते का उद्देश्य रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देना और रक्षा क्षेत्र में संयुक्त पहलों को आगे बढ़ाना है।

भारत-क्रोएशिया बैठक: मुख्य बिंदु

दीर्घकालिक रक्षा सहयोग:

- संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण
- सैन्य कर्मियों का आदान-प्रदान
- रक्षा उद्योग स्तर की साझेदारी
- साइबर सुरक्षा और रक्षा उत्पादन में सहयोग पर जोर

समझौता ज्ञापन (MoUs) पर हस्ताक्षर:

- कृषि, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सहयोग
- ज़ाग्रेब (Croatia) में हिंदी भाषा के लिए ICCR चेयर की स्थापना

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता (India-EU FTA):

- भारत और क्रोएशिया ने लंबे समय से लंबित FTA पर चर्चा की
- क्रोएशिया ने इसके शीघ्र समापन का समर्थन दोहराया

निवेश: क्रोएशिया के प्रमुख क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की प्रतिबद्धता:

- फार्मास्युटिकल्स
- कृषि
- सूचना और डिजिटल प्रौद्योगिकी
- क्लीन टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर्स

शैक्षणिक और सांस्कृतिक सहयोग:

- संयुक्त शोध परियोजनाएं (Joint research projects)
- अगले 5 वर्षों के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार
- जन-से-जन संपर्क को संस्थागत रूप देना

गतिशीलता और राजनयिक संपर्क:

- दोनों देशों के बीच लोगों की आवाजाही को सरल बनाने के लिए Mobility Agreement पर जल्द हस्ताक्षर होंगे
- इससे पर्यटन, शिक्षा और व्यापारिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा

अंतरिक्ष और शैक्षणिक सहयोग:

- भारत और क्रोएशिया द्वारा संयुक्त अंतरिक्ष परियोजनाओं में काम करने की घोषणा
- भारत अपनी अंतरिक्ष विशेषज्ञता साझा करेगा क्रोएशिया के साथ

क्रोएशिया: एक परिचय-

स्थान (Location)

- क्रोएशिया मध्य और दक्षिण-पूर्व यूरोप के संगम पर स्थित है।
- यह एड्रियाटिक सागर (Adriatic Sea) के पूर्वी तट पर बसा है, जिससे इसे दक्षिणी यूरोप तक समुद्री पहुंच मिलती है।

राजधानी: ज़ाग्रेब (Zagreb)

सीमावर्ती देश: स्लोवेनिया, हंगरी, सर्बिया, बोस्निया और हर्जेगोविना, मोंटेनेग्रो, इटली (समुद्री सीमा)

भौगोलिक विशेषताएँ:

नदियाँ (Rivers):

- **सावा नदी:** ज़ाग्रेब से होकर बहती है; बोस्निया-हर्जेगोविना की सीमा बनाती है।
- **द्रावा नदी:** हंगरी की सीमा पर बहती है; डेन्यूब से मिलती है।
- **कुपा और उना नदियाँ:** सावा की सहायक नदियाँ।
- **कृका और सेतीना नदियाँ:** एड्रियाटिक सागर में गिरती हैं; जलविद्युत के लिए महत्वपूर्ण।

घाटियाँ:

- **पनोनियन मैदान:** उपजाऊ कृषि क्षेत्र।
- **जागोर्ये पहाड़ियाँ:** ज़ाग्रेब के उत्तर में अंगूर और फलों के बाग।

पहाड़ियाँ:

- **डिनारिक आल्प्स:** दलमेशियन तट से आंतरिक क्षेत्रों तक फैले हैं।
- **दिनारा शिखर:** देश का सबसे ऊँचा पर्वत (1,831 M)

भारत-क्रोएशिया संबंध -

राजनयिक संबंध: 1992 में स्थापित, जब क्रोएशिया ने यूगोस्लाविया से स्वतंत्रता प्राप्त की।

राजनीतिक संपर्क: द्विपक्षीय यात्राएँ होती रही हैं।

- 2025 में भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा पहली बार किसी भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा की गई यात्रा थी।

कचरा प्रसंस्करण संयंत्र / Waste Processing Plant

संदर्भ:

सिंगापुर स्थित कंपनी **ब्लू प्लेनेट एनवायर्नमेंटल सॉल्यूशंस** (Blue Planet Environmental Solutions) उत्तर चेन्नई के **कोडुंगैयूर** क्षेत्र में **विश्व का सबसे बड़ा कचरा प्रसंस्करण संयंत्र** स्थापित करने जा रही है।

दुनिया का सबसे बड़ा कचरा निपटान संयंत्र: कोडुंगैयुर बायो-माइनिंग प्रोजेक्ट-

- **स्थान:** कोडुंगैयुर डंपयार्ड, चेन्नई
- **समस्या:** यहां **66 लाख घन मीटर** जमा कचरा वर्षों से पर्यावरण और जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है।

समाधान:

प्रमुख पहल: **Blue Planet Environmental** (सिंगापुर आधारित कंपनी) और **Greater Chennai Corporation** की साझेदारी से यह कचरा हटाने की बायो-माइनिंग परियोजना शुरू हुई है।

तकनीक: बायो-माइनिंग के ज़रिए पुराने कचरे को हटाकर पर्यावरण को सुरक्षित बनाया जाएगा।

शून्य अवशेष मॉडल: यह परियोजना **Zero-Residue Model** पर आधारित है, जिसमें संसाधनों का अधिकतम पुनर्चक्रण और न्यूनतम अपशिष्ट सुनिश्चित किया जाता है।

कृषि कचरे से ऊर्जा उत्पादन?

नई पहल: धान की पराली जैसे कृषि कचरे को **Compressed Biogas (CBG)** में बदला जाएगा।

लाभ:

- किसानों को वैकल्पिक आय का स्रोत मिलेगा।
- **पराली जलाने** की समस्या में कमी आएगी।
- स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

प्रभाव:

- जनस्वास्थ्य में सुधार
- स्थानीय पर्यावरण की गुणवत्ता में वृद्धि
- क्लाइमेट-फ्रेंडली इनोवेशन का उदाहरण

परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स / PGI

संदर्भ:

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2023-24 के लिए **परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (PGI) 2.0** की नवीनतम रिपोर्ट जारी की है।

परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (PGI):

- **आरंभ**: PGI की शुरुआत वर्ष 2017 में हुई थी
- **संशोधित रूप (PGI 2.0)**: वर्ष 2021 में इसे बेहतर और व्यापक बनाया गया
- **उद्देश्य:** देश भर में स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना, जिससे सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें

मूल्यांकन के 6 प्रमुख क्षेत्र:

1. अधिगम परिणाम और गुणवत्ता (Learning outcomes & quality)
2. पहुंच (Access)
3. अवसंरचना और सुविधाएं (Infrastructure & facilities)
4. समानता (Equity)
5. शासन प्रक्रिया (Governance processes)
6. शिक्षक शिक्षा और प्रशिक्षण (Teacher education & training)

नवीनतम रिपोर्ट (2022-23 व 2023-24):

डेटा स्रोत:

- National Achievement Survey 2021
- UDISE+ (Unified District Information System for Education Plus)
- PM-POSHAN (मिड-डे मील कार्यक्रम)

ग्रेडिंग संरचना (PGI-District – PGI-D):

कुल 10 ग्रेड निर्धारित किए गए हैं

- **सर्वोच्च ग्रेड**: **"Daksh"** : 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले जिलों को मिलता है
- **न्यूनतम ग्रेड**: **"Akanshi-3"**: 10% या उससे कम अंक प्राप्त करने वाले जिलों को दिया जाता है

FASTag वार्षिक पास योजना / Fastag Annual Pass Scheme

संदर्भ:

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री FASTag आधारित वार्षिक पास की घोषणा की है, जिसकी कीमत ₹3,000 रखी गई है। यह नई पहल टोल भुगतान को सरल बनाने और बार-बार सफर करने वाले यात्रियों के लिए यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

FASTag वार्षिक पास योजना (Fastag Annual Pass Scheme)

लागू होने की तिथि:

- यह योजना **15 अगस्त 2025** से पूरे देश में लागू की जाएगी।

क्या है योजना ?

- यह सरकार की नई पहल है जिसके तहत **निजी वाहन मालिक** **₹3,000 का वार्षिक पास** खरीद सकेंगे।
- इस पास से वे **राष्ट्रीय राजमार्गों पर बिना बार-बार टोल चुकाए यात्रा कर सकेंग**

मान्यता अवधि (Validity Period):

- पास की वैधता **1 वर्ष** या **200 यात्राएं** (जो पहले पूरी हो जाए) तक होगी।

उद्देश्य (Objective)

1. टोल प्लाज़ा पर **बार-बार रुकने से बचाव**
2. **60 किमी की सीमा** में बार-बार टोल भुगतान की समस्या का समाधान
3. यात्रा को **तेज़, सरल और परेशानी-मुक्त** बनाना
4. **डिजिटल टोल कलेक्शन** को बढ़ावा देना
5. **सुलभ और सुविधाजनक** यात्रा सुनिश्चित करना

सक्रियता व नवीनीकरण (Activation & Renewal)

- पास को **सक्रिय करने और नवीनीकरण** के लिए जल्द ही एक विशेष लिंक उपलब्ध कराया जाएगा।

उपलब्ध प्लेटफॉर्म:

- Highway Yatra App
- NHAI की वेबसाइट
- सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट

ऑपरेशन सिंधु / operation sindhu

संदर्भ:

भारत सरकार ने हाल ही में **'ऑपरेशन सिंधु'** की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित रूप से निकालना है।

क्या है ऑपरेशन सिंधु ?

- यह भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक विशेष बचाव अभियान है।
- इसका उद्देश्य ईरान और इज़राइल के बीच चल रहे संघर्ष के कारण ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालना है।

भारतीय नागरिकों की स्थिति: ईरान में **10,000 से अधिक भारतीय** मौजूद हैं, जिनमें लगभग **6,000 छात्र** शामिल हैं।

पहला चरण (First Phase):

- उत्तरी ईरान से 110 भारतीय छात्रों को सफलतापूर्वक सड़क मार्ग से आर्मेनिया के येरेवान पहुंचाया गया।
- यह निकासी ईरान और आर्मेनिया में स्थित भारतीय मिशनों की निगरानी में हुई।

निगरानी और सहायता व्यवस्था:

- भारत सरकार ने **नई दिल्ली में 24×7 कंट्रोल रूम** स्थापित किया है ताकि:
  - स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा सके
  - प्रभावित नागरिकों को सहायता प्रदान की जा सके
- **भारतीय दूतावास, तेहरान** ने भी अपना **24×7 आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर** शुरू किया है।

आगे की योजना: जैसे-जैसे हालात बदलते हैं, ऑपरेशन सिंधु के अतिरिक्त चरणों को जल्द ही क्रियान्वित किया जाएगा।

Pathshala

SCIENCE BOOK

FREE

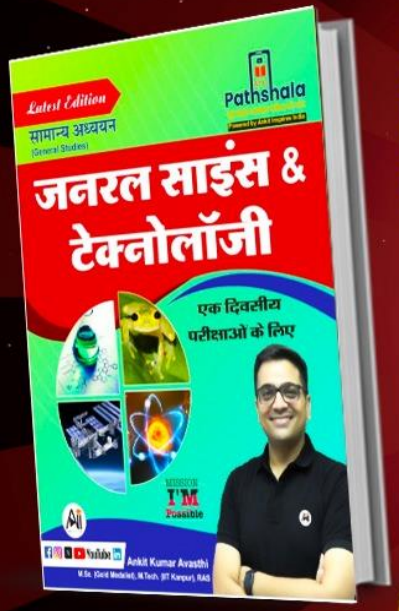

बुक की ख़रीद पर पाएं

100% CASHBACK

BUY NOW FROM APNI PATHSHALA APP.

पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- ECONOMY
- POLITY
- HISTORY
- GEOGRPHY

1500X4 ~~6000/-~~

₹4500/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY 1 YEAR

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

HISTORY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year
validity

GS FOUNDATION

Hand Written Notes

Pathshala | AVI

BEST OFFER
1999Rs

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Bilingual

By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

RAS FOUNDATION

HAND WRITTEN NOTES

अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

BEST OFFER
4500 Rs

By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
BBK
Baaten Bazar ki
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF MUTUAL FUND

COUPON CODE
ANKIT500

Invest in Knowledge Grow Your Wealth

Course fee
~~₹1999/-~~

Course fee
₹1499/-

Special
OFFER ON
Father's
DAY

Course Validity
1 YEAR

एक निवेश समझदारी से..

HOW MAY I HELP YOU
CALL
CENTRE
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: